

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 35, यशायाह, मुख्य पाठ

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह उनका अंतिम व्याख्यान है, यशायाह के मुख्य पाठों पर व्याख्यान 35।

मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए हम प्रार्थना के एक शब्द से शुरुआत करें। आज हम आपके सामने आते हैं, आपकी वफ़ादारी के लिए आपका शुक्रिया अदा करते हैं। हर दिन एक तोहफ़ा है। हम हर दिन उठते हैं। यह अपने आप नहीं होता। आप ही हैं जो हमारे दिल की धड़कन को बनाए रखते हैं।

आप ही हैं जो हमारे दिमाग को तरोताजा और सतर्क रखते हैं। आप ही हैं जिसने हमें आज जीने का एक कारण दिया है। अंधकार की दुनिया में हमें अपने पास बुलाने के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं।

हम इसे नहीं समझते, लेकिन हम ईश्वर की कृपा और हमारे प्रत्येक जीवन पर आपके आह्वान पर आश्चर्यचकित हैं। वही ईश्वर जिसने हमें सुसमाचार के प्रकाश में लाया है और हमें दाख की बारी में अलग-अलग स्थान दिए हैं जहाँ वह हमें तैनात करना चाहता है। और इनमें से कुछ स्थान जीवन में छोटे-छोटे ठहराव बिंदु हैं। और फिर नए मोड़ आते हैं। हमें आपका ईमानदारी से अनुसरण करने में मदद करें। ईश्वर के वचन के लिए धन्यवाद जो एक लोगों के साथ एक वफादार ईश्वर का वर्णन करता है।

और यद्यपि उनके जीवन में अंत हुआ और वे कई अन्य चुनौतीपूर्ण अनुभवों से गुज़रे, फिर भी हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने उन्हें कभी नहीं छोड़ा। और हम जानते हैं कि यह हमारे जीवन के बारे में भी सच है। इसलिए हमें भविष्यवक्ताओं को पढ़ते समय हिम्मत रखने में मदद करें, यह जानते हुए कि जिसने इस्राएल के साथ एक अच्छा काम शुरू किया और कहा कि वह अंत तक इसे जारी रखेगा, वही ईश्वर है जिसने अतीत में हमारे लिए एक अच्छा काम शुरू किया और हमें याद दिलाता है कि गॉर्डन से परे एक भविष्य है। और इसके लिए हम अपने प्रभु मसीह के माध्यम से आपको धन्यवाद देते हैं। आमीन।

ठीक है, आपको याद दिलाने के लिए कुछ बातें।

सोमवार 16 तारीख को 2.30 बजे अंतिम परीक्षा होगी। ध्यान रखें कि हमने यह कई बार कहा है। हमने पाठ्यक्रम में सुधार किया है।

तो, यह सोमवार को 2.30 बजे होगा। इसमें 8 अप्रैल से 9 मई तक की सभी पढ़ाई को शामिल किया जाएगा, जैसा कि पाठ्यक्रम में बताया गया है। और इसमें शामिल व्याख्यान सामग्री

यशायाह 6 से शुरू होकर आज तक चलेगी। इसके अलावा, मैं अंतिम सत्र में पाठ्यक्रम संश्लेषण प्रश्न भी दे सकता हूँ।

यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके लिए आप विशेष रूप से अध्ययन कर सकें। लेकिन अगर मैं इस तरह का प्रश्न पूछूँ, तो यह इस सेमेस्टर के पूरे अनुभव से विभिन्न विषयों पर आधारित होगा। ठीक है, क्या आपके पास इस पर कोई प्रश्न है? आज की कक्षा के अंत में, यदि आप पाठ्यक्रम का मूल्यांकन करेंगे, तो मैं इसकी सराहना करूँगा।

और मैं यशायाह के कुछ चुनिंदा पसंदीदा ग्रंथों पर वापस आना चाहता हूँ। हम एक किस्म को देख रहे हैं जिस पर मैं कुछ टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ। कुछ टिप्पणियाँ व्याख्यात्मक हैं।

उनमें से कुछ पाठ्यपरक हैं। उनमें से कुछ व्यावहारिक हैं। उनमें से कुछ उपदेशात्मक हैं।

उनमें से कुछ ऐतिहासिक हैं। मैंने पिछली बार मृत सागर स्कॉल का उल्लेख किया था और बताया था कि कैसे उन्होंने यशायाह में कुछ रीडिंग को प्रभावित किया है। उन्होंने समग्र तस्वीर को मजबूत किया है, अर्थात् अब हमारे पास एक परंपरा है जो पूर्ण हिब्रू पुराने नियम से एक हजार साल से भी अधिक पुरानी है, जो कि 1010 ई. में थी। अब इस पाठ में बहुत अधिक भ्रष्टाचार नहीं हुआ है, सब कुछ हाथ से कॉपी किया गया है, लेकिन यह पाठ की आवश्यक शुद्धता, प्रतिलिपि प्रक्रिया के माध्यम से पाठ की अखंडता की पुष्टि करता है।

तो, आज हमारे पास जो बाइबल है, वही बाइबल यीशु ने इस्तेमाल की थी। भजनशास्त्र पर एक शब्द, खासकर इसलिए क्योंकि यह ए.जे. गॉर्डन से संबंधित है। ए.जे. गॉर्डन ने दो भजन लिखे, और उनका एक कम लोकप्रिय भजन यशायाह 33:17 पर आधारित है। यदि आप चैपल में भजन संग्रह में जाते हैं, तो इसे द किंग इन हिज ब्यूटी कहा जाता है।

यह अभिव्यक्ति 33:17 से ली गई है। इसमें लिखा है, "तुम्हारी आँखें राजा को उसकी सुन्दरता में देखेंगी, और दूर तक फैले देश को देखेंगी।" अब इस खंड में, उदाहरण के लिए, तुरंत पहले वाले अध्याय में, अध्याय 32.1 कहता है, "देखो, एक राजा धार्मिकता से शासन करेगा, और शासक न्याय से शासन करेंगे।" यहाँ, ऐसा लगता है कि वह मसीहाई युग की ओर इशारा कर रहा है।

तभी आपको धर्मी राजा मिलेगा, और तभी न्याय और धार्मिकता इस धरती पर आएगी। इसलिए, मेरा अनुमान है कि, संदर्भ के अनुसार, यहाँ संकेत यह है कि यह राजा और उसकी सुंदरता संभवतः मसीहाई युग का संकेत है। यहाँ पाठ कहता है कि यह सचमुच दूरियों की भूमि होगी।

एक ऐसी भूमि जो दूर तक फैली हुई है, जैसा कि NIV में कहा गया है। सभी दिशाओं में फैली हुई है। इसलिए, संभवतः, इसका तात्पर्य मसीहा के सार्वभौमिक शासन से है।

फिर से, जकर्याह 14:9 में कहा गया है कि वह, मसीहा, सारी पृथ्वी पर राजा होगा। दूर तक फैली समतल भूमि के इस विचार की तुलना दुश्मन द्वारा कब्ज़ा की गई भूमि की वर्तमान स्थिति से की जाती है। इसलिए, मसीहा का शानदार शासन।

एक और संदर्भ, इनमें से कुछ का मैं बस जल्दी से उल्लेख करना चाहता हूँ। 35:3 में, नए नियम में इब्रानियों की पुस्तक हिब्रू बाइबिल से बड़े पैमाने पर ली गई है। इब्रानियों 12:12 यशायाह 35:3 को उद्धृत करता है, कमजोर हाथों को मजबूत करो, जो घुटने ढीले पड़ गए हैं उन्हें स्थिर करो।

यशायाह के दिनों में यह डर और काँपने का समय था, जब दुश्मन दरवाजे पर खड़ा था। याद रखें, यशायाह के शासनकाल के दौरान ही अशूर का पतन हुआ था। यशायाह का शासनकाल लगभग 680 तक फैला हुआ है, और यह 701 था, यानी 20 साल पहले, जब उसने पूरे दक्षिणी राज्य, निश्चित रूप से यहूदा को साफ कर दिया था, और वह यरूशलेम के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था।

तो, यह डर और कांपना, जब हाथ सिकुड़ जाते हैं, और घुटने लड़खड़ा जाते हैं। और यह प्रोत्साहन कि मजबूत बनो, यह प्रभु में मजबूत बनो, यह उसी तरह का प्रोत्साहन है, जिसे हम अगले श्लोक 35.4 में पढ़ते हैं, जो डरपोक दिल वाले हैं, उनसे कहो, मजबूत बनो, डरो मत, तुम्हारा परमेश्वर आएगा। ये वही शब्द थे जो यहोशू के पहले अध्याय में यहोशू से कहे गए थे।

डरो मत, बल्कि मजबूत बनो। साहसी बनो। और इसी तरह से पवित्रशास्त्र संतुलन बनाता है, हमने भविष्यवक्ताओं में देखा है, विरोधाभास, और यह आतंक के प्रति मानवीय प्रतिक्रिया है, ईश्वरीय उत्तर।

जैसा कि एक स्थानीय रब्बी ने गॉर्डन के छात्रों के एक समूह से कहा, फिर से, बाइबल में सबसे अधिक बार पाया जाने वाला आदेश, डरो मत। शायद हममें से अधिकांश ने इसे नहीं चुना होगा, लेकिन हिब्रू बाइबिल से, उन्होंने कहा कि यह बाइबल में सबसे अधिक बार दोहराया जाने वाला आदेश है, डरो मत। संभावित असीरियन आक्रमण के मद्देनजर इसका एक और संस्करण यहां दिया गया है।

38:19 में, मैं बस एक टिप्पणी करना चाहता हूँ, हम में से कुछ लोग आज यहाँ पैराडोसिस के कारण हैं, नए नियम में ग्रीक शब्द का उपयोग करने के लिए, या हिब्रू बाइबिल से शब्द मसोरा का उपयोग करने के लिए। यह सत्य के कारण है जो घर-घर, पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित किया गया है। और निश्चित रूप से, नए नियम में पैराडिडोमी, जिसका अर्थ है सौपना, सौपना, साथ में पारित करना, संचारित करना।

और इसलिए, परंपरा का विचार। मौखिक परंपरा हमारी विरासत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा थी। ध्यान रखें कि पहली किताब 1450 के दशक तक प्रिंटिंग प्रेस से नहीं निकली थी।

वह लैटिन में गुटेनबर्ग की अनाड़ी बाइबिल थी। इसलिए, लगभग हर चीज़ हाथ से लिखी हुई होनी चाहिए थी। और इसलिए, किताबों की कमी के कारण, आपको केवल पांडुलिपियों पर ही निर्भर रहना पड़ता था, मौखिक परंपरा पर।

और इसलिए यशायाह यहाँ सत्य के पीढ़ी दर पीढ़ी संचार के महत्व, परमेश्वर के वादों की निरंतरता के बारे में सुझाव देता है। पिता अपने बच्चों को आपके एमेट, आपकी वफ़ादारी के बारे में बताते हैं। और इसलिए विश्वास सिर्फ़ आगे की ओर देखने वाली चीज़ नहीं है।

आज हमारे पास आत्मविश्वास होने का एक कारण यह है कि विश्वास पीछे की ओर देखने से भी होता है। वह विश्वासयोग्य रहा है।

इमेट पर कैसे टिप्पणी करते हैं, हिब्रू बाइबिल का पहला और मध्य और अंतिम शब्द। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है जिसे वे चिह्नित करते हैं।

क्योंकि इस शब्द का अर्थ विश्वसनीय और भरोसेमंद है, यह वह चीज है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं, एमेट। इसलिए, सत्य वह है जिस पर आप भरोसा करते हैं।

एमेट का अनुवाद कभी-कभी सत्य के रूप में किया जाता है। लेकिन वह सत्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी दर-दर जाता है। और हम में से कई लोग आज यहाँ इसलिए हैं क्योंकि हमारे पास वफादार दादा-दादी और माता-पिता हैं।

हम इसे आगे बढ़ाते हैं। 1 तीमुथियुस 4:4 के अनुसार, जहाँ पौलुस शिक्षकों की चार पीढ़ियों के बारे में बात करता है, यह संभवतः सबसे अच्छी शिक्षा की प्रतिभा है। उसने इसे प्राप्त किया, और उसने इसे दूसरों को भी दिया जो वफादार गवाह भी होंगे।

अध्याय 40, श्लोक 6 और 8 में, इस अंश को उठाया गया है और 1 पतरस 1:24 और 25 में उद्धृत किया गया है। जो मनुष्य की क्षणभंगुर प्रकृति के विपरीत है। आप जानते हैं, बाइबल में मूसा को जिम्मेदार ठहराया जाने वाला एकमात्र भजन भजन 90 है।

और यह एक ऐसा भजन है जो जीवन की क्षणभंगुर, अचानक, त्वरित, क्षणभंगुर, गुज़रती प्रकृति से संबंधित है। अनंत काल से अनंत काल तक, आप ईश्वर हैं, लेकिन आप मनुष्यों को वापस धूल में बदल देते हैं। ईश्वर शाश्वत है, लेकिन मनुष्य वापस धूल में मिल जाते हैं।

तू लोगों को मौत की नींद सुला देता है। हमारे दिन की लंबाई 70 साल है या 80 साल अगर हममें ताकत हो। भजन 90, श्लोक 10।

और इसलिए, वह पद 12 में इस बिंदु पर अपने निष्कर्ष पर पहुँचता है। इसलिए, हमें अपने दिनों की गिनती करना सिखाएँ ताकि हम बुद्धि का हृदय पा सकें। बुद्धि का हृदय, एक बुद्धिमान हृदय।

हिब्रू बाइबिल के लेखकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ क्या विरोधाभास है? यशायाह 40 कहता है कि सभी मनुष्य घास की तरह हैं। इसलिए जैसा कि मूसा को दिए गए इस भजन में कहा गया है, वे मैदान के फूलों की तरह शानदार हैं।

घास मुरझा जाती है, फूल झड़ जाते हैं, लेकिन प्रभु का वचन हमेशा के लिए कायम रहता है। अध्याय 40, श्लोक 8। मुझे लगता है कि व्यक्तिगत स्तर पर, एक बात जिसने मुझे आस्था की अपनी व्यक्तिगत यात्रा के हिस्से के रूप में शास्त्र पढ़ाने के लिए प्रेरित किया, वह यह तथ्य था कि आप किसी ऐसी चीज़ से निपट रहे हैं जो आपके परे है। यानी, इसका एक शाश्वत मूल्य है।

मुझे यह बहुत आकर्षक लगा। मैं शॉर्ट ऑर्डर कुक को देखता हूँ। मैं उन लोगों को देखता हूँ जो ऐसे घर बनाते हैं जिन्हें किसी दिन बुलडोजर से गिरा दिया जाएगा।

मैं दूसरे प्रकार के व्यवसायों को देखता हूँ जो मूल्य में बहुत ही अल्पकालिक होते हैं। लेकिन जब आप शास्त्र से निपटते हैं, तो यह शाश्वत होता है। और यहाँ, मनुष्य टिकाऊ नहीं है, परमेश्वर के वचन की तुलना में स्थायी नहीं है।

मनुष्य में क्षणभंगुरता और कमज़ोरी होती है। आपके सभोपदेशक कोहेलेत का एक कीवर्ड है हेवेल। शेवेल ठंडी सुबह में आपकी सांस है।

जबकि कभी-कभी इसके लिए वैनिटी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, इसका वास्तव में मतलब है जो क्षणभंगुर है, जो बीत रहा है, और जो जल्दी से चला जाता है। और यह उन शब्दों में से एक है, जैसे, हमारे यहूदी मित्र, जब भी वे किसी को दफनाते हैं, तो वे शव को कब्रिस्तान में ले जाते समय कई बार हेवेल शब्द दोहराते हैं। मानवीय रूप से कहें तो, हमारी तुलना में जीवन फूल की तरह है, घास की तरह है, लेकिन यह जल्दी ही मुरझा जाता है और मर जाता है।

लेकिन इसके विपरीत, हमारे प्रभु का वचन हमेशा के लिए कायम रहता है। और इससे मुझे उम्मीद मिलती है। यह परमेश्वर का शाश्वत वचन है।

और यह मत्ती 5.18 के पहाड़ी उपदेश का हिस्सा है। यही बात वहाँ भी कही गई है, सिर्फ 1 पत्रस में नहीं। एक और बात जो मैं अध्याय 40 में कहना चाहता हूँ, बस आपको यह दिखाने के लिए कि पवित्रशास्त्र में विराम चिह्न कैसे अलग-अलग हो सकते हैं। अध्याय 40 में, जो शुरू होता है, नचमु, नचमु, अमी, तुम सांत्वना दो, मुझे सांत्वना दो, मेरे लोगों को सांत्वना दो।

पैराकेलियो शब्द का अर्थ है प्रोत्साहित करना और दिलासा देना। और पद 3 में की गई घोषणा, निश्चित रूप से, नए नियम में, तीन सुसमाचारों में, रेगिस्तान में पुकारने वाले की आवाज़ है, प्रभु के लिए मार्ग तैयार करो। यह जॉन बैपटिस्ट है।

यहाँ जॉन बैपटिस्ट का कोई संकेत नहीं है; हालाँकि जॉन के पास एक भविष्यवाणी करने वाली आवाज़ थी, उसने ठीक वही किया जो इज़राइल के भविष्यवक्ता पूरे सेमेस्टर में करते रहे हैं, लोगों को पश्चाताप करने के लिए बुलाते हुए, तेशुवा। यहाँ मेरी दिलचस्पी यह है कि 40 पद 3 में हिब्रू की कविता में, इसे इस तरह से स्थापित किया गया है: एक आवाज़ जो पुकार रही है, पुकार रही है, पुकार रही है, रेगिस्तान में, प्रभु का मार्ग तैयार करो। या समानांतर मार्ग, जंगल में हमारे परमेश्वर के लिए एक राजमार्ग सीधा करो, जिसका अर्थ है कि शायद तैयारी में एक प्राचीन निकट पूर्वी सम्राट था।

आप खुरदरे स्थानों को हटाते हैं, और आप इसे चिकना करते हैं। यदि पोप ब्रुकलिन में पादरी के रूप में आने वाले होते, तो उन्हें किसी के लिए प्रार्थना करने के लिए सात सीढ़ियाँ चढ़ने की ज़रूरत नहीं होती। वे एक लिफ्ट के ज़रिए रास्ता खोज लेते।

वे इसे यथासंभव सुचारू रूप से चलाएँगे। यहाँ मुझे जो बात दिलचस्प लगी वह यह है कि यूहन्ना 1:23, मत्ती 3:3 और मरकुस 1:3 में विराम चिह्न अलग-अलग हैं। यूहन्ना कहता है कि मैं जंगल में पुकारने वाले की आवाज़ हूँ।

यहीं पर यहूदिया के जंगल में जॉन रहते थे, जहाँ वे रहते थे। और फिर उद्धारण शुरू होता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो। यहीं से नए नियम में उद्धारण शुरू होता है।

यशायाह में यह अलग है। और इसलिए, विद्वान कभी-कभी विराम चिह्नों पर बहस करते हैं। लेकिन मैं यहाँ आपको यह बताना चाहता हूँ कि नए नियम के लेखक पुराने नियम का उपयोग अलग-अलग तरीकों से करते हैं।

यह यांत्रिक नहीं था। कभी-कभी इसका इस्तेमाल इस तरह से किया जाता था कि वे पुराने नियम के पाठों को लेते थे और उन्हें अपने उद्देश्यों के लिए अनुकूलित करते थे। हमने देखा कि सुधार के युद्ध के नारे में, धर्मी लोग विश्वास से जीवित रहेंगे।

हबक्कूक के दिनों में धर्मी व्यक्ति, न्यायी व्यक्ति, अपना जीवन ईमानदारी से जीता है। पॉल रोमियों 1.16 और 17 या जहाँ भी हो, में आता है। मेरी याददाश्त शायद मुझे धोखा दे रही है।

लेकिन वह विश्वास कार्यों के विवाद में शामिल है। वह विश्वास की वस्तु के रूप में मसीह में विश्वास के बारे में भी बात करता है। जो निश्चित रूप से हबक्कूक की तत्काल चिंता का विषय नहीं था।

हबक्कूक का आह्वान था, देखो, बाबुल तुम्हारे दरवाजे पर है। परमेश्वर पर भरोसा रखो। दिन-प्रतिदिन विश्वासयोग्य बने रहो।

आपको इसी तरह जीना चाहिए। सर्वशक्तिमान ईश्वर के प्रति भरोसा, दृढ़, अटल प्रतिबद्धता। एमुनाह के अनुसार जिएँ।

आप इसी तरह जीते हैं। इसलिए, पॉल इस पर एक अलग दृष्टिकोण रखते हैं। मेरा कहना यह है कि लेखकों को किस तरह से उद्धारण देना चाहिए, इस बारे में पहले से कोई पूर्वधारणा या यांत्रिक पूर्व-सोच नहीं रखनी चाहिए।

ऐसा नहीं है कि आप आज कोई टर्म पेपर लिख रहे हैं। लेखक अलग-अलग तरह की चीज़ों की तलाश में रहते हैं। कभी-कभी, वे संकेत देते हैं।

कभी-कभी वे बारीकियाँ बनाते हैं। कभी-कभी यह एक शब्दशः उद्धारण होता है। वे धर्मग्रंथों का कई तरह से उपयोग करते हैं।

यूहन्ना लोगों को तैयार होने के लिए बुला रहा था। मसीहा यहाँ था और वह बड़ी घटना की तैयारी में लोगों के पापों के पश्चाताप की धार्मिकता का बपतिस्मा दे रहा था। इसलिए, वह लोगों को बुला रहा था।

और इसलिए, जंगल महत्वपूर्ण बात नहीं है। हालाँकि वह यहूदा के जंगल में था, लेकिन वह जॉर्डन घाटी में आया था। यहीं पर वह अपना बपतिस्मा कर रहा था।

जंगल में नहीं। इसलिए, वह लोगों को तैयार रहने के लिए कह रहा है। हम जॉर्डन में हैं।

हम ठीक से नहीं जानते। ऐसी कई संभावित जगहें हैं जहाँ उसने, बाइबल के मिक्काह आदमी ने, अपना विसर्जन किया था। हम कभी-कभी बाल्टी में गिरने की अभिव्यक्ति सुनते हैं।

यह यशायाह से आता है। यशायाह ने कुछ ऐसे भावों को प्रभावित किया है जिन्हें हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल करते हैं - अध्याय 40, पद 15।

राष्ट्र बाल्टी में एक बूंद की तरह हैं। यहाँ परमेश्वर द्वारा राष्ट्रों पर लगाया गया अनुमान है। और उसे वास्तव में उनकी सलाह की आवश्यकता नहीं है, न ही मनुष्य की।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए यह दिलचस्प है कि वे अपने भाषणों में धर्मग्रंथों का इस्तेमाल करते हैं। सभी को खुश रखने के लिए, वे आम तौर पर नए नियम के बजाय पुराने नियम का इस्तेमाल करते हैं। मुझे याद है कि लिंडन बेन्स जॉनसन राष्ट्रपति के पास आए थे।

उन्होंने सुलैमान के 1 राजा अध्याय 3 से उद्धरण दिया। यह प्रार्थना बुद्धि के लिए प्रार्थना थी। हिब्रू में कहा गया है कि सुनने वाला हृदय दिया जाना चाहिए।

मैं जवान हूँ। मुझे नहीं पता कि कैसे बाहर जाना है या कैसे अंदर आना है। मुझे इन लोगों का न्याय करने के लिए बुद्धि की आवश्यकता है।

मुझे याद है कि 1972 में जब निक्सन और मैकगवर्न के बीच राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला हुआ था। याद कीजिए, मैकगवर्न के हार स्वीकार करने वाले भाषण में उन्होंने यशायाह 40, श्लोक 31 को शामिल किया था। जो लोग प्रभु पर भरोसा रखते हैं, वे अपनी ताकत को नवीनीकृत करेंगे।

नेशर की तरह, चील की तरह पंख फैलाकर उड़ेंगे। वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं। वे चलेंगे और थकेंगे नहीं।

और यहाँ फिर से, आध्यात्मिकता क्या है? अल्लाह, हिब्रू बाइबिल, इसका जीवन ईश्वर के साथ चलना है। यह एक यात्रा है। दौड़ो, चलो, और ईश्वर तुम्हें यात्रा के लिए नया बनाता है।

आपमें से कुछ लोगों के दादा-दादी हैं और कुछ के परदादा-परदादी हैं। आपको उनके बुढ़ापे में प्रोत्साहित किए जाने की ज़रूरत है। यशायाह एक अद्भुत श्लोक है जिसे आप अपने परिवार के बुजुर्गों के पास ले जा सकते हैं या अगर आप नर्सिंग होम में जाते हैं।

यशायाह 46, पद 4, तुम्हारे बुढ़ापे और सफ़ेद बालों तक मैं ही हूँ। मैं ही तुम्हें संभालूँगा। मैंने तुम्हें बनाया है और मैं ही तुम्हें उठाऊँगा।

ईश्वर हमें यात्रा के दौरान नहीं छोड़ता, तब भी जब हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमताएँ कमज़ोर पड़ रही हों। और यह बुढ़ापे के लिए आशा का एक उत्साहवर्धक शब्द है। हम सभी मिशन में रुचि रखते हैं, और यह दिलचस्प है कि कैसे यशायाह की पुस्तक ने विभिन्न लोगों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित किया है।

विलियम कैरी को ही लीजिए, जो किस देश में गए थे? भारत। विलियम कैरी। अध्याय 54, श्लोक 2 में वह श्लोक मिलता है जो उनके लिए बहुत अर्थपूर्ण था।

वह इंग्लैंड में एक जूता बनाने वाला था। और यह दिलचस्प श्लोक, जो, यदि आप इस से पहले के श्लोक पर वापस जाते हैं, तो यरूशलेम को यहाँ एक खानाबदोश प्रकार के तम्बू में रहने वाली एक महिला के रूप में वर्णित या प्रतीकित किया गया है, एक खानाबदोश का तम्बू। यह अध्याय अंततः सिय्योन की भविष्य की महिमा के बारे में बात करता है, लेकिन यहाँ श्लोक 2 विशेष रूप से कहता है, अपने तम्बू के स्थान को बड़ा करो, अपने तम्बू के पर्दों को चौड़ा करो, पीछे मत हटो, अपनी रस्सियों को लंबा करो, अपने खूंटें मजबूत करो।

अब, विस्तार का यह सामान्य विचार कुछ हद तक जाबेस की प्रार्थना जैसा लगता है, जिसने बहुत ज़्यादा प्रचार और बहुत ज़्यादा पैसा कमाया है। क्या आपने कभी जाबेस की प्रार्थना पढ़ी है? बड़ा सोचो। बाइबल का कोई भी हिस्सा जो आपको बड़ा सोचने के लिए कहता है।

यहाँ, यरूशलेम को एक तम्बू में रहने वाली महिला के रूप में दर्शाया गया है; इसका मतलब यह हो सकता है कि संतान, आध्यात्मिक संतान, दूर से आने वाली है। निश्चित रूप से, ईश्वर के प्रांत में, मसीहाई युग में, यहूदी और गैर-यहूदी दोनों ईश्वर के लोगों की रचना में शामिल होंगे। और इसलिए, यहूदी धर्म हमेशा से एक ऐसा धर्म रहा है जिसने सिर्फ अंदर की ओर नहीं देखा है; इसने बाहर की ओर भी देखा है।

सैमुअल सैंडमेल, जो पिछली सदी के मध्य भाग के महान यहूदी विद्वानों में से एक हैं, ने ईसाई धर्म पर लिखते हुए कहा कि प्रारंभिक ईसाई धर्म का मिशनरी आवेग पहले के यहूदी मिशनरी आवेग पर आधारित था। और इसलिए, यरूशलेम, सामरिया से शुरू होकर, और दुनिया के सबसे बाहरी हिस्सों तक, या जैसा कि यशायाह कहते हैं, तटीय क्षेत्र आपके कानून की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यह अनुमान लगाते हुए कि यह केवल अब्राहम ही नहीं है, बल्कि सभी राष्ट्र आपके, अब्राहम और आपके वंश के माध्यम से धन्य होंगे। तो, यह विस्तारित तम्बू और यदि हम परमेश्वर के लोगों को एक तम्बू के हिस्से के रूप में देख सकते हैं, और जैसे-जैसे परिवार बढ़ता है, आप तम्बू में एक तम्बू जोड़ते हैं, आप सभी को तम्बू के नीचे रखने के लिए नए हिस्से सिल सकते हैं।

खैर, विलियम कैरी ने अपनी सीमाओं से परे सोचा, और जैसा कि यरूशलेम से आग्रह किया गया है, जैसा कि श्लोक 5 में कहा गया है, परमेश्वर को सारी पृथ्वी का परमेश्वर कहा जाता है, और वह सारी पृथ्वी के परमेश्वर के रूप में सभी लोगों तक पहुँचने के लिए उत्सुक है। सुसमाचार की प्रत्याशा करने वाले सुंदर तरीकों में से एक 55:1 में पाया जाता है। हम सभी जानते हैं कि सुसमाचार मुफ्त है, और अनुग्रह मुफ्त है, लेकिन हिब्रू बाइबिल में इस्तेमाल किए गए कुछ आंकड़े और चित्र इसका पूर्वानुमान लगाते हैं। 55.1 यरूशलेम की सड़कों पर पानी के तहखाने

की तस्वीर है, जो एक अर्ध-शुष्क जलवायु में है जहाँ लोग निर्जलित हो जाते हैं, खासकर देर से वसंत और गर्मियों के महीनों में।

इसलिए, यरूशलेम में, जो यशायाह का गृहनगर था, वह यहाँ एक ऐसे व्यक्ति की कल्पना करता है जो सड़कों पर पानी बेचने वाला है। आओ, तुम सब जो प्यासे हो, पानी के पास आओ, लेकिन यह पानी बेचने वाला अलग है। तुम जिसके पास पैसे नहीं हैं, आओ, खरीदो, खाओ भी।

मुझे यहाँ कुछ और भी सामान मिल गया। वास्तव में, मुझे कुछ बढ़िया सामान मिलता है। आओ, शराब और हलवा, दूध खरीदो, बिना पैसे और बिना कीमत के।

यहाँ पर दिए गए जोर पर ध्यान दें, जहाँ वह यरूशलेम की गलियों में एक परिचित दृश्य और पानी बेचने वाले के रोजमर्रा के जीवन के दृश्य से शुरू होता है। फिर वह आध्यात्मिक प्यास बुझाने के बारे में अपनी बात कहता है। अपना पैसा उस पर क्यों खर्च करें जो रोटी नहीं है, अपना श्रम उस पर क्यों खर्च करें जो संतुष्ट नहीं करता? मेरी बात सुनो और जो अच्छा है उसे खाओ, और तुम्हारी आत्मा सबसे बढ़िया चीज़ में आनंदित होगी।

तो, वह यहाँ आध्यात्मिक बात कर रहा है। हमें बिना पैसे के खरीदना चाहिए। क्यों? क्योंकि, जैसा कि कहावत कहती है, ज्ञान सोने से नहीं मिलता।

रोमियों 6.23, परमेश्वर का उपहार अनन्त जीवन है। और मुझे लगता है कि यहाँ तस्वीर यह है कि पानी बेचने वाला आपको केवल 30 मिनट तक संतुष्ट करने वाला है, और फिर आपको फिर से प्यास लगेगी। और आध्यात्मिक प्यास, या जॉन का सुसमाचार, जीवित जल, जिसे यीशु ने कुएँ पर महिला को दिया, एक अलग क्रम का है।

तो, यहाँ प्यासे लोगों को जीवन के जल के लिए आमंत्रित किया गया है, तथा मदिरा और दूध प्रचुरता आदि के प्रतीक हैं। मैं कुछ अन्य बातों का भी शीघ्रता से उल्लेख करना चाहता हूँ। 56.5, आप यरुशलम गए हैं, आप होलोकॉस्ट संग्रहालय, याड वाशेम गए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक सुंदर नई उच्च तकनीक सुविधा में परिवर्तित हो गया है।

इसका नाम यशायाह 56:5 से लिया गया है, जिसमें एक स्मारक और एक नाम शब्द है। याद आपके हाथ के लिए हिब्रू शब्द है। याद।

याद कैसा दिखता है? यह एक गोल स्मारक जैसा दिखता है जिसे आप कब्रिस्तान में देख सकते हैं। इसलिए, इसीलिए इसका अनुवाद एक स्मारक किया गया है, यह एक स्मारक स्मारक है, और इसका नाम है, याद वाशेम, जो होलोकॉस्ट के लोगों को याद करने के लिए है। और यह नाम लोगों और उनकी प्रतिष्ठा के बराबर था।

उसी अध्याय में, आप दो आयतों पर आगे बढ़ते हैं, जो दुनिया में ज़्यादातर आराधनालय के दरवाज़ों पर लिखी गई हैं। क्या यह आयत किसी भी दूसरी आयत से ज़्यादा महत्वपूर्ण है? वास्तव में, इस आयत को नए नियम में भी उद्धृत किया गया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। मेरा घर सभी

राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर कहलाएगा, यशायाह 56:7, जिसका अर्थ है कि कोई भी आपको आराधनालय से बाहर नहीं रख सकता।

यह एक बेत हा-तेफिला, प्रार्थना का घर होना था। याद रखें, जब आप नए नियम का अध्ययन करते हैं, तो आप इसे पुराने नियम के तम्बू में नहीं देखते हैं। जब आप हेरोदेस के मंदिर को देखते हैं, तो वहाँ अन्यजातियों के लिए एक प्रांगण था, जो सिर्फ एक अनुस्मारक है कि जो लोग गैर-यहूदी थे वे भी मंदिर में आते थे।

यह सभी लोगों के लिए प्रार्थना का स्थान होना चाहिए था। जब मैंने गॉर्डन के छात्रों के साथ आराधनालयों की इतनी यात्राएँ की हैं, तो मैंने हमेशा कहा है कि आराधनालय में अध्ययन करने, प्रार्थना करने, मिलने के लिए आपका हमेशा स्वागत है। यह सभी लोगों के लिए प्रार्थना का घर है।

आपको बस इतना करना है कि उस श्लोक को बाहर लाएँ और उस श्लोक के साथ अपना टिकट पंच करवाएँ। एकमात्र अपवाद उच्च छुट्टियों के दौरान है जब आपको टिकट की आवश्यकता होती है क्योंकि वहाँ बहुत, बहुत भीड़ होती है। आप में से कुछ लोग मेरे साथ आराधनालय गए हैं, और बाइबल में केवल एक जगह है जो कहती है कि हर शब्बत को एक ओनिक शब्बत होना चाहिए।

ओनेग शब्बत, ओनेग, ओनेग का मतलब है आनंद। और ओनिक शब्बत बाइबिल में एक जगह से आया है, और वह है 58:13। इसमें कहा गया है कि यदि आप सब्त को आनंद कहते हैं। और इसलिए आम तौर पर, शुक्रवार की शाम को हर आराधनालय में, टोरा रीडिंग सेवा के बाद, एक ओनिक शब्बत होता है, जिसका संदर्भ एक संगति घंटे, जलपान साझा करना, दोस्तों के साथ बातचीत करना और कभी-कभी निर्धारित वक्ताओं या कार्यक्रमों से होता है।

गॉर्डन के छात्रों, मुझे स्थानीय आराधनालयों में ओनिक शब्बत के लिए कार्यक्रम आयोजित करने में कम से कम 12 साल लग गए। यहीं से यह कहावत आई है, सब्बाथ को आनंदमय बनाना, बोझिल नहीं। 58वें अध्याय में कुछ और बातें।

यह उपवास पर एक बढ़िया अध्याय है, और यह बताता है कि ईश्वर किस तरह का उपवास चाहता है, अन्याय, उत्पीड़न से निपटने के लिए, भूखे, बेघर, नंगे लोगों की देखभाल करने के लिए। मेरा मतलब है, यह मैथ्यू 25 का ओल्ड टेस्टामेंट संस्करण है। महान और अंतिम राउंडअप में, जहाँ भेड़ और बकरियों को अलग किया जाता है, मैथ्यू 25.31-46, यहाँ की भाषा वस्तुतः उन चीज़ों के समान है जो लोग दूसरों के लिए करते थे।

और यहाँ फिर से, पुरोहित धर्म, उपवास, भविष्यवाणी धर्म, क्रिया के साथ। फिर से, ऐसा लगता है कि कभी-कभी यह या तो या के लिए बुला रहा है, लेकिन निश्चित रूप से यह दोनों है और पुराने नियम के संदर्भ में। भजन संहिता में, आप में से कुछ लोग बेउला लैंड से परिचित हैं।

हम मकई और शराब की भूमि पर पहुँच गए हैं। बेउला भूमि। अपनी पीढ़ी में भजनों के शब्दों को सुनने के तरीके में चतुर होना, मुझे लगता है, कुछ याद आ रहा है।

हमारे स्तुति गान उतने ही अच्छे हैं जितने वे हैं और उतने ही दोहराव वाले हैं, जो कि सेमिटिक है, इसलिए मैं चीजों को दोहराने के लिए उन्हें श्रेय दूंगा। इब्रानियों ने ऐसा किया। लेकिन विषय-वस्तु, इज़राइल के इतिहास के लिए बाइबिल के संकेत, बाइबिल की आयतें, और इसी तरह की अन्य बातें।

बेउला भूमि कहाँ है? वैसे, हिब्रू में बा'अल का अर्थ है विवाह करना। और बेउला का अर्थ है विवाहित। और जब आप 62:4 और 5 को देखते हैं, तो सिय्योन का एक नया नाम होने जा रहा है।

और परमेश्वर कहता है, सिय्योन की खातिर, मैं चुप नहीं रहूँगा। यरूशलेम की खातिर, मैं चुप नहीं रहूँगा। और एक समय ऐसा भी था जब यरूशलेम पर दुश्मनों ने कब्ज़ा कर लिया था।

पद 4 में, यह सुनसान था, यह उजाड़ था, लेकिन तुम्हारा एक नया नाम होगा, हेप्सी बह। मेरी माँ ने धमकी दी कि अगर उसकी बेटी हुई, तो उसका नाम हेपी या हेप्सीबाह होगा, जो एक सुंदर नाम है। यह एक स्त्रीलिंग नाम है।

हेपसिबाह का अर्थ है मेरी खुशी, और मेरी खुशी उससे है। और तुम्हारी भूमि का नाम ब्यूला या विवाहित भूमि होगा। क्योंकि यहोवा तुमसे प्रसन्न होगा, और तुम्हारी भूमि विवाहित होगी।

तो, सिय्योन अब परमेश्वर की पवित्र दुल्हन है, न कि एक ऐसी पत्नी जो बेवफाई की दोषी थी। जैसे दूल्हा अपनी दुल्हन पर आनन्दित होता है, वैसे ही तुम्हारा परमेश्वर भी तुम्हारे ऊपर आनन्दित होगा। और इसलिए, 1 से 39 के बाद कहीं अधिक न्याय हुआ।

यशायाह के ये अंतिम अध्याय कहीं अधिक सकारात्मक, उत्साहवर्धक अध्याय हैं जो आशा लाते हैं। यहाँ तक कि इस पुस्तक से पौलुस का प्रभाव, 64.8, हम मिट्टी हैं, तुम कुम्हार हो, हम तुम्हारे हाथ के काम हैं। यहाँ तक कि पौलुस भी भविष्यवक्ताओं से उस छवि का उपयोग करता है।

कुम्हार के हाथ में मिट्टी है जिससे बर्तन बनते हैं, उन्हें ढाला जाता है और आकार दिया जाता है। हम मिट्टी हैं और आप कुम्हार हैं। मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत मानवरूपी चित्रण है।

हेशेल कहते हैं कि ईश्वर हम सभी के जीवन से एक कलाकृति बना रहा है। हर कलाकृति अलग-अलग होगी। लेकिन उसे ढालने की क्षमता, लचीलापन और कोमलता ही मुख्य बात है।

मेरे लिए, गॉर्डन में पढ़ाने का यह एक बेहतरीन अनुभव रहा है, ऐसे लोगों का होना जो सीखने के लिए खुले हैं। यह नीतिवचन की पुस्तक का छोटा सा शिक्षार्थी है, जो सचमुच खुला है। हम इसका शाब्दिक अनुवाद सरल करते हैं, लेकिन यह वह है जो सीखने योग्य, शिक्षित, लचीला है, जो वास्तव में एक शिक्षार्थी हो सकता है।

और यह आपके पूरे जीवन के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। मिट्टी की तरह, नई चीजें सीखें, और सीखना शुरू हो जाएगा। यह एक आजीवन सजा है।

आप चीजों के गहन चरण में हैं। लेकिन हर दिन, कुत्तों की तरह, हम नई तरकीबें सीखते हैं। इसलिए, मनुष्य आस्था के स्कूल में नई चीजें सीखते हैं।

ठीक है, यह मेरे भविष्यवक्ताओं के पाठ्यक्रम से मेरा अंतिम शब्द है, और यशायाह पर हम समाप्त करते हैं। केविन जल्दी से एक पाठ्यक्रम मूल्यांकन करने जा रहे हैं और हम सब कुछ तैयार कर लेंगे और सब कुछ खत्म कर देंगे।

यह डॉ. मार्व विल्सन भविष्यवक्ताओं पर अपनी शिक्षा में हैं। यह उनका अंतिम व्याख्यान है, यशायाह से मुख्य पाठों पर व्याख्यान 35।